www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 24 || लखनऊ
शुक्रवार
24 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:34
सूर्यास्तः 06:35
अधिकतमः 42°00
न्यूनतमः 27°00

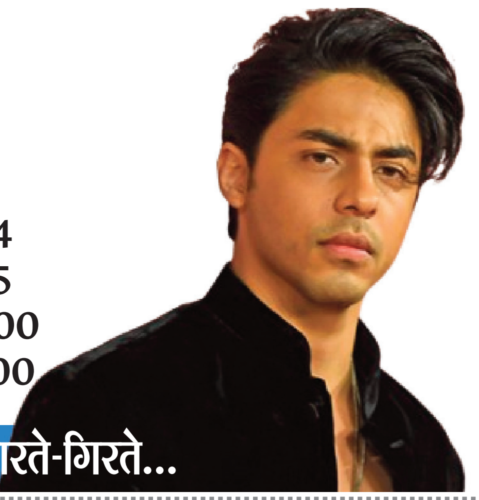

पेज 03

विशेष समाचार | क्या फिलहाल युद्ध का खतरा टला... >> पेज 02 | 24 अप्रैल को जोनल एग्रीकल्चर... >> पेज 04 | जूता चुराई रस्म के दौरान गिरते-गिरते...

यूपीएमएसपी ने जारी किए दोनों कक्षाओं के परिणाम, छात्र ऑनलाइन रोल नंबर से तुरंत चेक कर सकते हैं मार्कशीट

यूपी बोर्ड 10वीं-12वीं का रिजल्ट जारी

परिणाम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 के परिणाम जारी कर दिए हैं। लंबे इंतजार के बाद घोषित हुए इस रिजल्ट में इस बार भी लाखों छात्रों ने सफलता हासिल की है। हाईस्कूल (10वीं) में 90.42 प्रतिशत और इंटरमीडिएट (12वीं) में 80.32 प्रतिशत छात्र-छात्राएं पास हुए हैं। हाईस्कूल परीक्षा में कशिश वर्मा और अंशिका वर्मा ने संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया है। दोनों ने 97.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में टॉप किया। इस बार हाईस्कूल का परिणाम बेहतर रहा और बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इंटरमीडिएट परीक्षा में शिखा वर्मा ने 97.60 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया। उनके इस प्रदर्शन ने प्रदेशभर में चर्चा बटोरी है। यूपी बोर्ड ने छात्रों की सुविधा के लिए रिजल्ट ऑनलाइन उपलब्ध कराया है।

छात्रों में खुशी का माहौल

रिजल्ट घोषित होने के बाद प्रदेशभर में छात्रों और अभिभावकों के बीच खुशी का माहौल है। सफल छात्रों को बधाइयां मिल रही हैं, वहीं जो छात्र अपेक्षित परिणाम नहीं पा सके हैं, वे आगे बेहतर प्रदर्शन की तैयारी में जुट गए हैं।

बड़ी संख्या में छात्र परीक्षा में शामिल

परीक्षा में इंटरमीडिएट के लगभग 26 लाख और हाईस्कूल के करीब 24.5 लाख छात्र-छात्राएं शामिल हुए। हालांकि, कुल 2.87 लाख परीक्षार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे। इनमें हाईस्कूल के 1,61,696 और इंटरमीडिएट के 1,26,082 छात्र शामिल हैं।

यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च 2026 तक आयोजित की गईं। परीक्षा प्रदेशभर के विभिन्न केंद्रों पर कड़ी निगरानी के बीच संपन्न कराई गई थी।

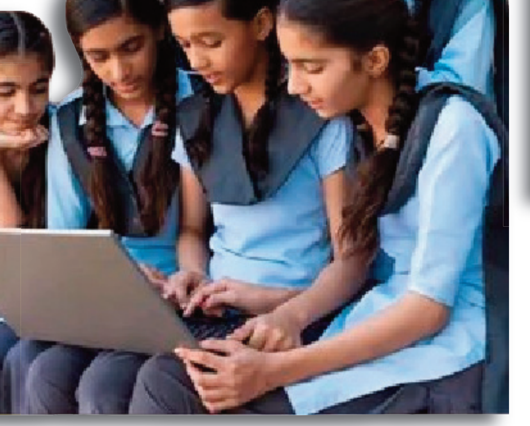

यूपी बोर्ड 12वीं के टॉपर

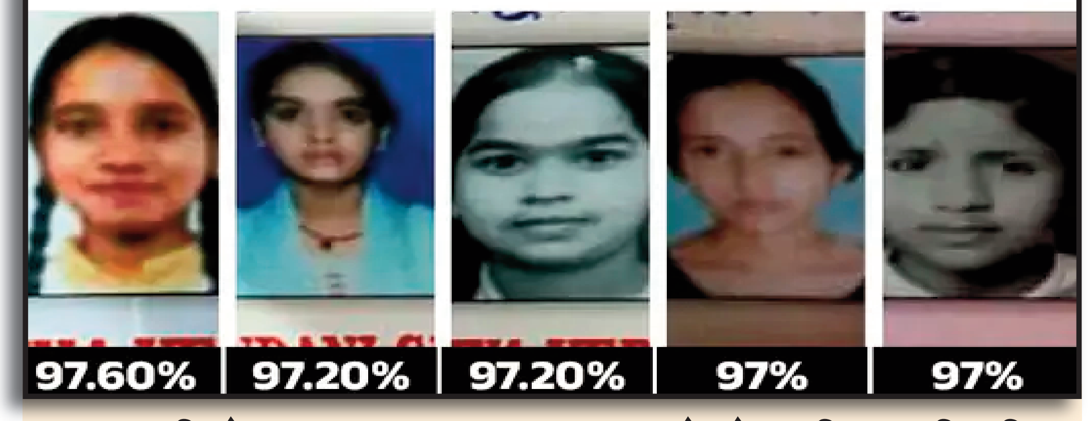

12वीं में 23.54 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के आंकड़ों के अनुसार, 2026 में 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 24 लाख 79 हजार 352 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था। सभी 75 जिलों में 8033 केंद्रों पर 18 फरवरी से शुरू हुईं। दो पालियों में परीक्षा हुई। 12 मार्च को परीक्षा समाप्त हुई। इंटरमीडिएट के 1.26 लाख छात्रों ने परीक्षा छोड़ी। 23.54 लाख छात्र परीक्षा में शामिल हुए।

ट्रम्प का सीजफायर एकतरफा : ईरान

अमेरिकी नाकेबंदी हटेगी तभी बात करेंगे, अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- कल तक अच्छी खबर आ सकती है

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह के सीजफायर से इनकार किया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर कालीबाफ ने कहा कि मौजूदा समय में सीजफायर तभी संभव है, जब नाकाबंदी हटाई जाए। ईरान और अमेरिका के बीच 22 अप्रैल को सीजफायर खत्म हो गया था। ट्रम्प ने इसके खत्म होने से पहले ही इसे एकतरफा तरीके से आगे बढ़ा दिया था। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता के दूसरे दौर को लेकर शुक्रवार तक अच्छी खबर आ सकती है। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने एक संदेश में यह बात कही। पाकिस्तानी अधिकारियों ने भी संकेत दिया है कि ईरान के साथ अगले 36 से 72 घंटों के भीतर नई बातचीत शुरू हो सकती है। हालांकि, ईरान का कहना है कि उसने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह अमेरिका के साथ नए दौर की वार्ता में शामिल होगा या नहीं। वहीं, राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उसके विरोधी धमकियों और आक्रामक कदमों के जरिए बातचीत को कमजोर कर रहे हैं। तेल पर छूट बढ़ीः अमेरिका ने रूसी तेल की खरीद पर लगी पाबंदियों में दी गई छूट को 30 दिन के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला करीब 10 देशों की मांग पर लिया गया है, जो तेल की कमी का सामना कर सकते हैं। ट्रम्प का एकतरफा सीजफायरः अमेरिका ने पाकिस्तान की अपील पर ईरान के साथ चल रहे युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ाया गया। ट्रम्प ने कहा कि ईरान में इस समय नेतृत्व और सरकार में एकजुटता नहीं है। ईरान का सीजफायर से इनकारः ईरान ने किसी भी तरह के सीजफायर से इनकार किया है। मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाकर कालीबाफ ने कहा कि सीजफायर तभी संभव है जब नाकाबंदी हटाई जाए। होर्मुज में जहाज जब्तः ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने होर्मुज स्ट्रेट में दो जहाजों को जब्त कर लिया और कहा कि इस रास्ते की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा।

बंगाल ने पहले चरण में रच दिया इतिहास

91% से ज्यादा हुआ मतदान, तमिलनाडु ने भी बनाया रिकॉर्ड

तमसा संकेत, एजेंसी

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में गुरुवार को बंपर वोटिंग हुई। बंगाल की 294 सीटों में से 152 सीटों पर पहले फेज में 91.46% मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर रिकॉर्ड 84.41% वोटिंग हुई। दोनों राज्यों के इतिहास में सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। चुनाव आयोग के आंकड़े शाम 7 बजे तक हैं। इनमें बदलाव हो सकता है। ममता ने वोटिंग के बाद कहा- बंगाल की जनता ने SIR के खिलाफ बंपर वोटिंग की है। गृह मंत्री शाह ने कहा कि TMC का सूरज ढल चुका है। इससे पहले असम, केरलम और पुडुचेरी में भी 9 अप्रैल को रिकॉर्ड वोटिंग हुई थी। असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.91%, पुडुचेरी में 90% और केरलम में 1987 के बाद सबसे ज्यादा 78.27% वोटिंग हुई थी। पाचों राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को एकसाथ आएंगे। आसनसोल साउथ विधानसभा सीट से भाजपा विधायक और उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर बर्नपुर के रहमतनगर इलाके में हमला हुआ। इससे उनकी गाड़ी के पीछे का शीशा टूट गया। घटना के समय विधायक कार में ही मौजूद थीं। बीरभूम में भाजपा उम्मीदवार जगन्नाथ चटोपाध्याय ने TMC पार्षद शिप्रा मजूमदार और उनके पति पर वोटरों का रास्ता रोकने का आरोप लगाया है। TMC पार्षद शिप्रा मजूमदार ने आरोपों पर कहा- यह झूठ है। मैं नियम जानती हूं, यहां किसी की पारिवारिक समस्या हुई है वे मुझे बता रहे थे, इसलिए मैं यहां खड़ी हूं। वोट देना सभी का लोकतांत्रिक अधिकार है, उसमें मैं क्यों दखल दूंगी। बंगाल के सुजापुर विधानसभा सीट से TMC उम्मीदवार सबीना यास्मीन ने केंद्रीय बलों पर मतदान में रुकावट डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- केंद्रीय बल कई मतदान केंद्रों पर परेशानी पैदा कर रहे हैं। उनका काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, लेकिन वे ID कार्ड चेक कर रहे हैं। इससे मतदान स्लो हो रहा है। सबीना यास्मीन ने कहा- वे सोचते हैं।

- बर्धमान के रहमतनगर में आसनसोल साउथ सीट से बीजेपी उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर हमला हुआ।
- बीरभूम में ईवीएम खराब होने के बाद लोगों ने पुलिस और सेंट्रल फोर्स पर पथराव कर दिया।

अग्निमित्रा बोलीं- चलती कार पर पीछे से पत्थर मारा

भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल ने कार पर हमले के बाद कहा, ''हमारी कार चलना शुरू की तभी एक बड़ा पत्थर हमारे कार के पीछे के शीशा पर लगा और शीशा टूट गया। कोई पीछे से हमला कर दे तो हम क्या कर सकते हैं। हम दूसरे जगह जा रहे थे तभी ऐसा हुआ और ऐसा बार-बार किया जा रहा है, अब आप समझ ही रहे होंगे ये कौन कर रहा है और क्यों किया जा रहा है? अग्निमित्रा ने कहा, "अल्पसंख्यक इलाके में कौन ये सब करेगा, TMC के साथ अल्पसंख्यकों का अच्छा संबंध है।

152 सीटों पर 91.46% वोटिंग बंगाल की

234 सीटों पर 84.41% रिकॉर्ड मतदान तमिलनाडु की

दोनों राज्यों में अब तक का सबसे ज्यादा मतदान प्रतिशत

असमः 85.91% मतदान (रिकॉर्ड)

पुडुचेरीः 90% वोटिंग

केरलः 78.27% (1987 के बाद सबसे ज्यादा)

बंगाल चुनाव 2026

फेज 1 की 152 सीटों पर पहली बार 90% से ज्यादा वोटिंग

साल	वोटिंग परसेंट	किसकी सरकार बनी
2026	91.46%	4 मई को रिजल्ट
2021	83.17%	टीएमसी
2016	82.66%	टीएमसी

बीरभूम के बोधपुर गांव में लोगों पर सेंट्रल फोर्स पर हमला करने का आरोप है। यहां के पोलिंग बूथ पर ईवीएम खराब होने के बाद वोटर्स और पुलिस के बीच बहस हो गई। इसके बाद लोगों ने सेंट्रल फोर्स पर पथराव किया और पुलिस की गाड़ी में भी तोड़फोड़ की। घटना में सेंट्रल फोर्स के जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया।

सीईसी ज्ञानेश कुमार बोले- दोनों राज्यों के हर मतदाता को सलाम

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, "आजादी के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मतदान प्रतिशत दर्ज हुआ है। चुनाव आयोग दोनों राज्यों के हर मतदाता को सलाम करता है।"

टीएमसी नेता कुणाल घोष बोले- वोट प्रतिशत हमारी जीत का संकेत

TMC नेता कुणाल घोष ने कहा, वोटों के इस प्रतिशत की उम्मीद थी। कुछ असली वोटरों के नाम हटा दिए गए और उन्हें बाहर कर दिया गया। यह चुनाव ममता बनर्जी के पक्ष में है और भाजपा की 'बंगाल-विरोधी' नीतियों के खिलाफ है। 152 सीटों में से हम कम से कम 125 सीटें जीतने जा रहे हैं, यह आंकड़ा 133 से 135 तक भी जा सकता है। इसलिए यह जीत का एक स्पष्ट संकेत है।

शाह बोले- तृणमूल के भ्रष्टाचार और गुंडाराज का सूरज ढल चुका है

बंगाल में वोटिंग खत्म होने के बाद अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक वीडियो शेयर किया है। हेलिकॉप्टर से रिकॉर्ड किए गए वीडियो में ढलता हुआ सूरज दिख रहा है। शाह ने कैप्शन में लिखा- तृणमूल के भ्रष्टाचार और गुंडाराज का सूरज ढल चुका है। बंगाल और तमिलनाडु में शाम 6 बजे वोटिंग खत्म हो गई है। बंगाल की 152 सीटों पर 89.93% मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर रिकॉर्ड 82.24% वोटिंग हुई। बीरभूम के बोधपुर गांव में लोगों पर सेंट्रल फोर्स पर हमला करने का आरोप है।

फास्ट न्यूज

गर्मी के चलते दोपहर में जनगणना रोकी गई

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। देश के आधे से ज्यादा राज्यों में हीटवेव जारी है। बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कई शहरों में पारा 40C से 45C के बीच बना हुआ है। महाराष्ट्र का वर्धा और ओडिशा का झारसुगुड़ा बुधवार को 44.6C तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा।

आईआरएस अफसर की बेटी का रेप-मर्डर

नई दिल्ली। दिल्ली के पॉश इलाके कैलाश हिल्स में बुधवार सुबह आयकर विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी की 22 वर्षीय बेटी की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया, फिर मोबाइल फोन चार्जिंग केबल से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। घटना के वक्त वह घर में अकेली थी। माता-पिता जिम गए थे। पुलिस ने इस मामले में 19 वर्षीय घरेलू सहायक राहुल मीणा को गिरफ्तार किया है। उसे 6 हफ्ते पहले पैसों के लेनदेन के मामले में काम से निकाल दिया गया था। दिल्ली की एक अदालत ने इस मामले में आरोपी को 4 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पाकिस्तान से मिले गैंग को ऑर्डर, हर अकाउंट पर कमीशन

कोटा। कोटा में साइबर ठगी नेटवर्क का पाकिस्तानी कनेक्शन भी मिला है। नेटवर्क का सरगना मोहम्मद अमजद पाकिस्तान हैंडलर से ऑर्डर ले रहा था। अमजद (21) इंजीनियरिंग स्टूडेंट है और करीब डेढ़ साल से ठगी नेटवर्क से जुड़ा है। जांच एजेंसियों के अनुसार अमजद के तीन साथी उसे बैंक अकाउंट उपलब्ध करवाते थे।

सीएम ने गोरखपुर को दी 497 विकास परियोजनाओं की सौगात

बोले- नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती

लोकार्पण

तमसा संकेत, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती है। करने की दृढ़ इच्छाशक्ति हो और नीयत भी उसी के अनुरूप हो तो परिस्थितियां बदलती हुई दिखाई देती हैं। गोरखपुर में नौ वर्षों के अंदर आया विकासपरक परिवर्तन इसका प्रमाण है। सीएम योगी गुरुवार पूर्वाह्न राप्ती नदी के एकला बंधा पर लिगेसी वेस्ट का निस्तारण कर बनाए गए ईको पार्क, नौसढ़-मलौनी फोरलेन सड़क सहित विकास की 1055 करोड़ रुपए की लागत वाली 497 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता टूलकिट और कैलेंडर का अनावरण कर स्वच्छ स्कूल अभियान का भी शुभारंभ किया। एकला बंधे पर आयोजित लोकार्पण-शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ अच्छा करने की इच्छाशक्ति हो तो बहुत कुछ परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने एकला बंधा पर ईको पार्क के रूप में हुए नए कायाकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि वाराणसी या लखनऊ की तरफ से गोरखपुर प्रवेश करते ही सबसे पहला मुकाबला कचरे से होता था।।

>> (शेष पेज 04 पर)

वोटिंग : टीएमसी का बीजेपी को जवाब- न आए हो न आओगे, भवानीपुर में ममता की पदयात्रा

मोदी का हावड़ा में रोड-शो, बोले- भाजपा का भरोसा जीतेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/चेन्नई। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में गुरुवार को बंपर वोटिंग हुई। बंगाल की 294 सीटों में से 152 सीटों पर पहले फेज में 89.93% मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर रिकॉर्ड 82.24% वोटिंग हुई। दोनों राज्यों के इतिहास में पहली बार सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। चुनाव आयोग के आंकड़े शाम 5 बजे तक हैं। इनमें बदलाव हो सकता है। ममता ने वोटिंग के बाद कहा- बंगाल की जनता ने SIR के विरोध में बंपर वोटिंग की है। इससे पहले असम, केरलम और पुडुचेरी में भी 9 अप्रैल को रिकॉर्ड वोटिंग हुई थी। असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.91%, पुडुचेरी में 90% और केरलम में 1987 के बाद सबसे ज्यादा 78.27% वोटिंग हुई थी। पाचों राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को एकसाथ आएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हुगली में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा मैं दीदी के गुंडों को कहकर जाता हूं 29 तारीख को घर के बाहर मत निकलना। 29 तारीख को को आरमबाग वालों को परेशान किया तो 5 तारीख के बाद उल्टा लटकाकर सीधा कर देंगे।

> मोदी ने कहा कि जनता ने तय कर दिया है कि 4 मई को परिणाम नहीं, परिवर्तन आएगा। टीएमसी हारेगी और भाजपा का भरोसा जीतेगा। अब का मतदान सभी रिकॉर्ड तोड़ रहा है। मैं यहां परिवर्तन की आंधी देख रहा हूं।

पहले फेज की वोटिंग के दौरान पीएम की 3 बड़ी बातें ...

- बंगाल में भाजपा सरकार आने पर हम शरणार्थियों को CAA के तहत सभी जरूरी कागज देंगे।
- बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही मछुआरों की आय बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा।
- TMC हमेशा घुसपैठियों का समर्थन करती है और देश की सुरक्षा को दांव पर लगाती है।

>> (शेष पेज 04 पर)

वॉट्सएप यूनिवर्सिटी से जानकारी नहीं चाहिए : जस्टिस नागरत्ना

थरूर के आर्टिकल के जिक्र पर सीजेआई ने कहा- लेख पर्सनल ओपिनियन

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि वॉट्सएप यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी को स्वीकार नहीं किया जा सकता। जस्टिस नागरत्ना ने यह टिप्पणी दाउदी बोहरा समुदाय की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट नीरज किशन कौल की दलील के जवाब में की थी। कौल ने कहा था कि ज्ञान और समझ, चाहे वह किसी भी सोर्स से मिली हो, उसे स्वीकार करने में कोई बुराई नहीं है। कौल एक अखबार में कांग्रेस सांसद डॉ. शशि थरूर के लिखे लेख का हवाला दे रहे थे। सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है।

- सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 साल की महिलाओं की एंट्री को लेकर एससी में सुनवाई चल रही है।

नमाज अदा करने के लिए महिलाओं का जमात का हिस्सा होना जरूरी नहीं

जस्टिस अमानुल्लाहः आपको सभी की जानकारी के लिए यह विस्तार से बताना चाहिए कि शुरू से ही, इस बात पर कोई विवाद नहीं रहा है।

शमशादः साथ ही, मुसलमानों के सभी धार्मिक संप्रदायों में इस बात पर आम सहमति है कि महिलाओं के लिए नमाज अदा करने के लिए जमात (समूह) का हिस्सा होना जरूरी नहीं है। अगर इस्लाम का कोई मानने वाला नमाज अदा करने जाता है, तो उसके लिए दिन की पांचों नमाज जमात के साथ अदा करना अनिवार्य है।

सम्पादकीय

पहलगाम का एक साल

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में ठीक एक साल पहले आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की हत्या कर दी थी। 14 फरवरी 2019 के पुलवामा हमले के बाद यह एक और बड़ी आतंकी वारदात थी, जिसमें जांच एजेंसियों की नाकामी और सुरक्षा में बड़ी लापरवाही सामने आई थी। पुलवामा हमले में भी सरकार आज सात बाद भी इस सवाल का जवाब नहीं दे पाई है कि सैनिकों को वायुमार्ग की जगह सड़क मार्ग से क्यों भेजा गया। बड़ी संख्या में विस्फोटक सामग्री लेकर एक कार किस तरह उस इलाके में पहुंच गई। जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील राज्य में इतना सारा विस्फोटक आ गया और जांच एजेंसियों को पता तक नहीं चला, इतनी बड़ी चूक कैसे हुई। बल्कि इन सवालों को उठाने वाले तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक के साथ मोदी सरकार का सलूक किस कदर निर्दयी रहा, यह भी देश ने देख लिया। ठीक ऐसे ही सवाल पहलगाम हमले के बाद भी उठे कि जिस बैसरन घाटी में बड़ी संख्या में पर्यटक मौजूद थे, वहां एक भी सुरक्षाकर्मी क्यों नहीं था। बंदूकों के साथ चार-चार आतंकवादी पहुंचते हैं, गोलियां बरसाते हैं, इस बीच स्थानीय दुकानदारों और घोड़ेवालों की मदद से लोग जान बचाने की कोशिश करते हैं और फिर जाकर सुरक्षाकर्मी पहुंचते हैं, यह सब क्या लचर प्रशासन को नहीं दिखाता है। याद रहे कि 2016 की नोटबंदी के वक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि इससे आतंकवाद की कमर टूटेगी, तो क्या टूटी कमर लेकर आतंकवाद ने दो-दो बार अपना घिनौना रूप नहीं दिखा दिया। 2019 में जम्मू-कश्मीर को दो हिस्सों में बांटकर और पूर्ण राज्य से केंद्रशासित प्रदेश बनाने के पीछे भी मोदी सरकार ने तर्क दिया था कि आतंकवाद पर लगाम लगेगी और राज्य के विकास में मदद होगी। लेकिन पहलगाम घटना के बाद लंबे वक्त तक पर्यटन उद्योग पूरी तरह ठप्प रहा, यह कड़वा सच सरकार अच्छे से जानती है और उस पर बात नहीं करती। अलबत्ता पहलगाम हमले के फौरन बाद जाति और धर्म की राजनीति भाजपा ने शुरु कर दी। आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा, जाति नहीं, इस किस्म के सोशल मीडिया पोस्ट हुए। जब विरोध हुआ तो इन्हें हटाया गया। फिर ऑपरेशन सिंदूर होने की जानकारी देश को मिली, इस पर सारे विपक्ष ने भी सरकार का साथ दिया कि सीमा पार से आतंकवाद फैलाने की कोशिश का सबक पाकिस्तान को सिखाना ही चाहिए। पूरी मुहिम का सिंदूर नाम रखने पर भी इसे अच्छी पहल बताया गया कि जिन महिलाओं का सुहाग उजड़ा, उन्हें भरोसा मिलेगा कि दुख में उन्हें अकेला नहीं छोड़ा गया।चुनाव कवरेज पाकिस्तान के साथ व्यापारिक रिश्ते रोकने, सिंधु जल समझौता निलंबित करने जैसे कदम भी उठाए गए। लेकिन फिर यकायक ऑपरेशन सिंदूर रोका गया और देश को इसकी जानकारी डोनाल्ड ट्रंप ने पहले दी, बाद में प्रधानमंत्री ने दी। ट्रंप आज भी दावा करते हैं कि युद्धविराम उन्होंने करवाया और नरेन्द्र मोदी उनका नाम लेकर खंडन भी नहीं करते। ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया में अपना पक्ष मजबूत करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल सरकार ने भेजा, उसमें भी विपक्ष ने उनका साथ दिया। लेकिन यह भी जनता के पैसे पर सैर-सपाटे से ज्यादा कुछ नहीं निकला। देश ने देखा कि कैसे दूतावास में बैठकर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने शानदार रात्रिभोज और उसमें गाना-बजाना किया। यही सब करना था, तो देश में कर लेते। विदेशों में तो वैसे भी भारतीय दूतावास बने हुए हैं, जिनका काम देश का पक्ष मजबूत करना ही है। बहरहाल, पहलगाम पीड़ितों के जख्मों पर इतना नमक छिड़कना काफी नहीं था कि इसके बाद पाकिस्तान के साथ कई बार क्रिकेट मैच भी खेला गया। दिखावे के लिए यह देश के बाहर हुआ और पाक टीम से हाथ न मिलाने की नाटक-नौटंकी भी हुई, उन्हें चिढ़ाने के लिए बयान दिए गए। लेकिन आखिर में तो सबको पता था कि क्रिकेट से मिलने वाले मुनाफे में सबका हिस्सा बना हुआ है। बीसीसीआई हो या आईसीसी सब जगह मोदी सरकार, भाजपा के लोग शामिल हैं। पाकिस्तान को अलग-थलग करेंगे सरकार के इस दावे की हकीकत ये है कि आज पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता करवाने से लेकर युद्धविराम का ऐलान तक सब किया गया है। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और उनके सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर पिछले एक साल में कई बार डोनाल्ड ट्रंप से मिले भी हैं और फोन पर बात भी की है। बल्कि इन दोनों को ट्रंप ने बाकायदा व्हाइट हाउस में लंच भी करवाया है। अभी 21 तारीख को ही आसिम मुनीर ने फिर ट्रंप से बात की और उसके बाद शाहबाज शरीफ ने बताया कि ईरान के साथ युद्धविराम बढ़ा दिया गया है। पाकिस्तान की इस कोशिश की चर्चा पूरी दुनिया में है और यूरोपीय यूनियन या खाड़ी देशों समेत तमाम देशों के प्रमुखों ने शाहबाज शरीफ से बात की है। कड़वा सच यही है कि जिस पाकिस्तान को बरसों बरस पूर्व प्रधानमंत्रियों ने वैश्विक स्तर पर सवालों के घेरे में रखा, आज उसकी पूछ-परख की जा रही है और हम अपने जख्मों को अब तक सहला रहे हैं। लेकिन इसमें भी नरेन्द्र मोदी और राहुल गांधी की सोच में फर्क दिख रहा है। श्री मोदी ने अपनी श्रद्धांजलि में लिखा कि 'पिछले साल इसी दिन पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को याद करता हूं। उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं, जो इस दुख से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।

क्या फिलहाल युद्ध का खतरा टला ?

> इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी पूरी ताकत के साथ इस युद्ध में उतर गया; लेकिन अब राष्ट्रपति को इस सवाल का सामना करना पड़ रहा है कि उन्हें घर पर क्या मिला, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि ईरान ने संयुक्त राज्य अमेरिका से अपना हाथ वापस लेने का साहस दिखाया है, और संयुक्त राज्य अमेरिका के पास इसे पुनर्जीवित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम आगे बढ़ाने का ऐलान किया है। ट्रंप ने यह कदम मौजूदा सीजफायर के खत्म होने से कुछ घंटे पहले पाकिस्तान के अनुरोध पर उठाया है। उन्होंने कहा कि वे ईरान की तरफ से कोई प्रपोजल मिलने तक जंगबंदी को आगे बढ़ा रहे हैं। इससे जंग फिलहाल के लिए टल गई है और मध्यस्थ पाकिस्तान को अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का नया दौर आयोजित करने के लिए समय मिल गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि हमने इस बात को समझा है कि ईरान की सरकार गंभीर रूप से बंटी हुई है। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ ने मुझसे सीजफायर बढ़ाने का अनुरोध किया। हमसे कहा गया है कि हम ईरान पर तब तक हमले ना किए जाएं, जब तक कि उनके नेता और प्रतिनिधि एकमत से कोई प्रस्ताव लेकर नहीं आ जाते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने आगे लिखा कि पाकिस्तान की गुजारिश पर मैं युद्धविराम को तब तक के लिए बढ़ा रहा हूं जब तक कि ईरान की ओर से प्रपोजल पेश नहीं कर दिया जाता और चर्चाएं पूरी नहीं हो जातीं, चाहे वह किसी भी नतीजे पर पहुंचें। मैंने अपनी सेना को निर्देश दिया है कि वह नाकेबंदी जारी रखे और बाकी सभी मामलों के लिए तैयार रहे। डोनाल्ड ट्रंप के इस ऐलान से फिलहाल के लिए लड़ाई के फिर से शुरू होने का खतरा टल गया है। हालांकि अभी भी दोनों पक्षों के बीच गहरे मतभेद बने हुए हैं। अमेरिकी बातचीत टीम का नेतृत्व करने के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान की प्रस्तावित यात्रा टाल दी गई है। होर्मुज स्ट्रेट में ईरान पर अमेरिका की नाकेबंदी भी अभी जारी है। अपनी और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर की ओर से मैं राष्ट्रपति ट्रंप का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने हमारी सीजफायर को आगे बढ़ाने की बात मान ली। मुझे उम्मीद है कि दोनों पक्ष सीजफायर का पालन करेंगे और इस्लामाबाद में बातचीत के दूसरे दौर में इस संघर्ष को हमेशा के खत्म करने के लिए व्यापक शांति समझौता कर पाएंगे। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने पाकिस्तानी की युद्धविराम को आगे बढ़ाने की गुजारिश को मान

लिया ताकि चल रही कूटनीतिक कोशिशें आगे बढ़ सकें। पाकिस्तान इस संघर्ष के बातचीत के जरिए हल के लिए अपनी पूरी कोशिशें जारी रखेगा। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले करते हुए युद्ध शुरू किया, जो करीब छह हफ्ते तक चला। आखिरकार 8 अप्रैल को ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच जंगबंदी हुई। इस बीच 11 अप्रैल को पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत हुई लेकिन बेनतीजा रही। फिलहाल इस सीजफायर को आगे बढ़ाया गया है। संयुक्त राष्ट्र के सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस ने ईरान के साथ सीजफीयर बढ़ाने के अमेरिका के ऐलान को तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम बताया है। उन्होंने कहा है कि यह ऐलान ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीति और भरोसा बनाने के लिए एक जरूरी जगह बनाएगा। हम सभी पक्षों को इस गति को बनाए रखने और ऐसे कामों से बचने की अपील करते हैं, जो सीजफायर को कमजोर कर सकते हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी, ट्रम्प, जो यह स्पष्ट करके ईरान को डराना चाहते थे कि वह ऐसा कुछ नहीं करेंगे, को खुद संघर्ष विराम को समाप्त करना पड़ा और युद्धविराम को अस्थायी रूप से बढ़ाना पड़ा। यह ट्रम्प की लाचारी है, जिसे ईरान ने देखा है और स्पष्ट रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के दबाव के सामने खड़े होने और पसीना बहाने के उनके इरादे को दर्शाता है। होर्मुज जलडमरूमध्य को वापस लेने, ईरान का परमाणु ईंधन वापस लेने, देश को राखने आदि के वादों के बाद, ट्रम्प को ईरान के सामने झुकना पड़ा। लोकसत्ता ने पिछले एक महीने अपने संपादकीय में कहा था कि वेनेजुएला नहीं, बल्कि ईरान ट्रंप के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेगा, लेकिन ट्रंप को निराशा पहुंचाएगा। ईरान ने न केवल यह स्पष्ट रुख अपनाया है कि हम तब तक अमेरिका के साथ बातचीत नहीं करेंगे, बल्कि उसने इसे आज तक बरकरार रखा है। ईरान ने ऐसा नहीं किया होता, ताकि अगर वह अमेरिकी दबाव के आगे झुक जाता और पाकिस्तान में वार्ता में भाग लेता तो उसे एक तरह से आत्मसमर्पण माना जाता। ईरान ने ऐसा बिल्कुल नहीं होने दिया। उन्होंने अमेरिका को और आगे बढ़ाने का फैसला किया। ऐसा प्रतीत होता है। ऐसा नहीं है कि ईरान को इस बात का एहसास नहीं है कि ऐसा करने से जो भी संचार सूत्र होगा, वह भी टूट जाएगा। फिर भी वह इतना कठोर रुख अपनाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यदि संचार का पुल वास्तव में टूट जाता है, तो ईरान शारीरिक रूप से प्रभावित होगा, लेकिन यह स्पष्ट है कि नैतिक झटका केवल संयुक्त राज्य अमेरिका को ही भुगतना पड़ेगा, क्योंकि ईरान के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। यदि संयुक्त राज्य अमेरिका नए हवाई हमले करता है, तो कुछ और पुल, इमारतें, बांध, बिजली संयंत्र आदि ध्वस्त हो जाएंगे और कुछ सौ लोगों की जान चली जाएगी। वे वैसे भी चले गए हैं और अचल संपत्ति बर्बाद हो गई है। ऐसा नहीं है कि ईरान ने गणना नहीं की कि संयुक्त राज्य अमेरिका और क्या करेगा , लेकिन इसके विपरीत, इसने संयुक्त राज्य अमेरिका की समस्या को बढ़ा दिया, क्योंकि अगर ईरान वार्ता और सुलह के लिए सहमत नहीं होता, तो यह संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक सवाल होता।लेकिन झुकेंगे नहीं झुकेंगे की नीति गिर गई है। किसी भी युद्ध में बुद्धिमान लोग एक सावधानी बरतते हैं। यह सच्चाई और बुद्धिमत्ता रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय तक चले युद्ध में भी प्रदर्शित होगी, जिन्होंने विरोधी देशों के राष्ट्राध्यक्षों पर हमला नहीं किया है, इसलिए नहीं कि वे ऐसा नहीं कर सकते, बल्कि इसलिए कि उन्हें एक महत्वपूर्ण क्षण में बातचीत के लिए आगे आने के लिए विपक्ष के शीर्ष नेतृत्व की आवश्यकता है। प्रतिद्वंद्वी को सबसे अधिक नुकसान होता है, और यह एक तरह की लाचारी पैदा करता है। यह 'जो आप करना चाहते हैं वह करें' का एक जिद्दी स्वर बनाता है। यह ईरान के व्यवहार से स्पष्ट है। यह सच है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई पहले हमले में मारे गए थे क्योंकि इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू एक नरसंहार नेता थे। लेकिन इससे सवाल खड़ा हो गया कि किससे बात की जाए। खामेनी, जो अपने नब्बे के दशक में हैं, कितने समय तक स्वाभाविक रूप से जीवित रहे होंगे? लेकिन जब तक ऐसा था, संयुक्त राज्य अमेरिका के पास ईरान के साथ बातचीत करने का एक तरीका था, लेकिन बहादुरी के नाम पर उन्होंने पहले झटके में खामेनेई को मार डाला, और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका शासन परिवर्तन, शासन परिवर्तन चाहता था, और ऐसा नहीं हुआ। अगर खामेनेई वहां होते, तो कम से कम बातचीत का विकल्प खुला होता। ट्रम्प ने इसे नहीं देखा, क्योंकि आज के अमेरिकी नेतृत्व में इसे देखने की दूरदर्शिता का अभाव है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका को और भी अधिक नुकसान पहुंचाएगा। क्योंकि ईरान युद्ध अपेक्षा से अधिक तनावपूर्ण था और अनुचित तनाव झेल रहा था।

अशोक भाटिया

जन सुराज का...

ललित गर्ग

पुस्तकें हैं जीवन का दीप, समाधान का सेतु

हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिगुएल डी सर्वांटेस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रुचियों के अनुसार पढ़े और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि पढ़ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 2026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है। पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। ताड़पत्रों और

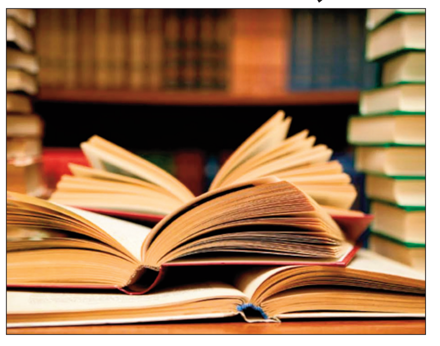

भोजपत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा। यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन के विविध आयाम समाहित थे। जीवन के अंधकारमय क्षणों में पुस्तकें सचमुच एक दीपक की तरह मार्ग को प्रकाशित करती हैं। जब मनुष्य समस्याओं, तनाव और द्वंद्व से घिर जाता है, तब पुस्तकें उसे नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। वे केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में उसकी चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है। चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि "अज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश।" इसी प्रकार महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए। पुस्तकें इसी संतुलन की साधना कराती हैं-वे हमें सोचने, समझने और धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं। आधुनिक भारत में भी पुस्तक संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है। यद्यपि अध्ययन के अनेक नए माध्यम विकसित हुए हैं, फिर भी मुद्रित पुस्तकों का आत्मीय स्पर्श और उनकी गहराई अद्वितीय है। पुस्तकें मनुष्य के विचारों को विस्तार देती हैं, उसे सही और गलत का बोध कराती हैं तथा जीवन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

भारत में पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित करने में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई उल्लेखनीय पहलें हुई हैं। उन्होंने उपहार के रूप में पुष्पगुच्छ के स्थान पर पुस्तक देने का संदेश देकर समाज में ज्ञान के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल किया है। इसके साथ ही देशभर में पठन-पाठन और पुस्तकालयों के विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उपलब्ध नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। पुस्तकें ही वह माध्यम हैं जो मनुष्य को एकाग्रता, धैर्य और गहराई प्रदान करती हैं। वे केवल जानकारी नहीं देतीं, बल्कि जीवन को दिशा देती हैं और व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

दूसरी ओर...

सौरभ वार्ष्णेय

न्यायपालिका बनाम विधायिका टकराव पर संवैधानिक प्रश्न

दिल्ली की राजनीति में हाल में उभरा जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा बनाम दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विवाद एक बड़े संवैधानिक प्रश्न को जन्म देता है—क्या यह मामला सच में न्यायपालिका बनाम विधायिका का टकराव है, या फिर यह संस्थाओं के बीच संतुलन और जवाबदेही की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है? यह विवाद तब चर्चा में आया जब अदालत की टिप्पणियों और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं ने सार्वजनिक विमर्श को गर्मा दिया। अदालत ने शासन के कुछ निर्णयों और प्रक्रियाओं पर सवाल उठाए जबकि राजनीतिक पक्ष ने इसे न्यायिक दखल के रूप में देखा। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा बनाम केजरीवाल विवाद को सीधे-सीधे न्यायपालिका बनाम विधायिका का टकराव कहना अतिशयोक्ति होगी। यह लोकतंत्र के भीतर चल रही वह स्वाभाविक प्रक्रिया है, जिसमें संस्थाएँ एक-दूसरे पर नियंत्रण और संतुलन बनाए रखती हैं। असल चुनौती टकराव से बचना नहीं, बल्कि संवैधानिक संतुलन और गरिमा को बनाए रखना है—क्योंकि मजबूत लोकतंत्र वही है, जहाँ संस्थाएँ स्वतंत्र भी हों और जिम्मेदार भी। भारतीय संविधान में तीनों स्तंभ—विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका—स्पष्ट रूप से अलग-अलग भूमिकाओं के साथ स्थापित किए गए हैं। न्यायपालिका का दायित्व कानून की व्याख्या करना और यह सुनिश्चित करना है कि सरकार संवैधानिक सीमाओं में काम करे। विधायिका का अधिकार कानून बनाना और नीतियाँ तय करना है । ऐसे में जब अदालत किसी सरकारी फैसले पर सवाल उठाती है तो वह टकराव नहीं बल्कि संवैधानिक जांच का हिस्सा होता है। आखिरकार विवाद की असली जड़ क्या है? इस प्रकरण में मूल मुद्दा सीमा-निर्धारण का है। यदि न्यायपालिका नीति निर्माण में गहराई से हस्तक्षेप करे तो विधायिका को अतिक्रमण महसूस हो सकता है। वहीं, यदि सरकार न्यायिक आदेशों या टिप्पणियों को नजरअंदाज करे तो यह कानून के शासन को कमजोर कर सकता है। यानी, समस्या टकराव की नहीं, बल्कि संतुलन बनाए रखने की है। यानी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह विवाद कुछ महत्वपूर्ण संकेत देता है। संस्थागत संवाद की आवश्यकताः टकराव की बजाय सहयोग और सम्मान जरूरी है। संवैधानिक मर्यादाः हर संस्था को अपनी सीमाओं का सम्मान करना होगा। लोकतांत्रिक परिपक्वताः सार्वजनिक बयानबाजी के बजाय कानूनी प्रक्रियाओं पर भरोसा बढ़ाना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका और राजनीति के बीच संतुलन बेहद संवेदनशील विषय है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा जस्टिस पर की गई टिप्पणी ने इसी संतुलन को लेकर बहस छेड़ दी है। सवाल यह है कि क्या किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा न्यायाधीशों पर सार्वजनिक टिप्पणी करना उचित है? पहली बात, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल स्तंभ है। एक राजनेता होने के नाते केजरीवाल को अपनी बात रखने का अधिकार है लेकिन यह अधिकार पूर्ण नहीं है—इसके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

अशोक भाटिया

अस्थिर विश्व में भारतःअर्थनीति, कूटनीति और छवि का पुनर्पाठ

इटली सहित यूरोप के कई देशों में सरकार और जनता के स्तर पर इज़रायल के प्रति रुख में आया बदलाव यह संकेत देता है कि वैश्विक राजनीति में अब अंध-समर्थन के बजाय मानवीय और नैतिक प्रश्न अधिक प्रभावी हो रहे हैं। ऐसे परिदृश्य में भारत की पश्चिम एशिया नीति, जो औपचारिक रूप से 'संतुलन' पर आधारित कही जाती है, व्यवहार में कई बार अस्पष्ट और अवसरवादी प्रतीत होती है। वैश्विक परिदृश्य में इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी के अंत में भड़के युद्ध ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को गहरे अस्थिरता के दौर में धकेल दिया, जिससे भारत भी अप्रभावित नहीं रहा। यद्यपि सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने सरकार को सहयोग का आश्वासन दिया और ईरान से संवाद स्थापित कर होर्मुज़ जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों की आवाजाही सुनिश्चित करने में आंशिक सफलता मिली, जिससे ऊर्जा संकट को काफी हद तक टाला जा सका, फिर भी महंगाई, बेरोजगारी और शेयर बाज़ार में आई तीव्र गिरावट ने आम नागरिकों को आर्थिक रूप से प्रभावित किया, जिसकी भरपाई में समय लगेगा। इसी कालखंड में कुछ वैश्विक घटनाएं भारत के लिए मिश्रित संकेत लेकर आईं, जो यह दर्शाती हैं कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत को अपनी कूटनीतिक रणनीति, आर्थिक सुदृढ़ता और वैश्विक भूमिका—तीनों पर गंभीर पुनर्विचार की आवश्यकता है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता का आरंभ एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस संदर्भ में विदेश मंत्री की तात्कालिक प्रतिक्रिया बौद्धिक वर्ग में व्यापक स्वीकृति नहीं पा सकी। विदेश मंत्री जैसे राजनीतिक पद से स्वाभाविक रूप से अधिक संवेदनशील और व्यापक दृष्टिकोण की अपेक्षा होती है। ऐसे में उनका हालिया वक्तव्य अधिक उपयुक्त किसी पेशेवर राजनयिक के मुख से प्रतीत होता है—शायद यही कारण है कि पूर्व विदेश सचिव की उनकी प्रशासनिक दृष्टि अब भी उनके कथनों में झलकती है, जबकि मंत्री पद उससे कहीं अधिक राजनीतिक सूझबूझ की मांग करता है। यह स्थिति कहीं न कहीं भारत की कूटनीतिक सीमाओं को भी उजागर करती है, क्योंकि प्रधानमंत्री की विभिन्न वैश्विक नेताओं से निकटता के बावजूद भारत इस शांति पहल में निर्णायक भूमिका हेतु आवश्यक विश्वास और प्रभाव अर्जित नहीं कर सका। पिछले एक दशक में जब-जब विश्व में संघर्ष और अशांति बढ़ी, प्रधानमंत्री द्वारा 'यह युद्ध का युग नहीं है' की बात तो बार-बार कही गई, किंतु उसके अनुरूप कोई ठोस शांति-योजना सामने नहीं आई। संयुक्त राष्ट्र में युद्धविराम प्रस्तावों पर मतदान से दूरी बनाकर भारत ने तटस्थता का संकेत देने का प्रयास किया, परंतु अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक हिस्से ने इसे निष्पक्षता के बजाय अनिर्णय के रूप में देखा। परिणामस्वरूप, जहां नेहरू युग में भारत कोरियाई और वियतनामी संकटों में मध्यस्थता के लिए जाना जाता था, वहीं आज उसकी वह भूमिका अपेक्षाकृत सीमित हो गई है। टाइम पत्रिका की 100 सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में रणबीर कपूर (अभिनेता), सुंदर पिचाई (सीईओ गूगल) और विकास खन्ना (पाककला) जैसे भारतीयों का शामिल होना निस्संदेह गौरव का विषय है; किंतु पांच बार इस सूची में स्थान पा चुके प्रधानमंत्री मोदी का इस बार अनुपस्थित रहना विशेष रूप से तब ध्यान आकर्षित करता है, जब नेपाल और बांग्लादेश के अपेक्षाकृत नए नेतृत्व को इसमें स्थान मिला है। यह स्थिति भारत की उस उभरती वैश्विक छवि पर स्वाभाविक प्रश्न उठाती है, जिसे घरेलू विमर्श में बार-बार रेखांकित किया जाता रहा है, और अंतरराष्ट्रीय मान्यता व घरेलू दावों के बीच उभरती दूरी की ओर संकेत करती है। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान चौथे से छठे पर खिसकना ध्यान आकर्षित करता है। इस उतार-चढ़ाव को समझने के लिए दो प्रमुख कारक—जीडीपी के आधार वर्ष में परिवर्तन और रुपये पर बढ़ता दबाव—महत्वपूर्ण हैं। जीडीपी का आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 करना भले ही एक तकनीकी सुधार हो, किंतु इससे अर्थव्यवस्था का आकार अपेक्षाकृत छोटा दिखाई देने लगा, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की आर्थिक स्थिति की धारणा प्रभावित हुई। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुधार की पृष्ठभूमि और पूर्व में आंकड़ों की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने सांख्यिकीय साख पर भी अनावश्यक प्रश्नचिह्न खड़े किए। राजनीतिक विश्लेषण दूसरी ओर, उच्च तेल कीमतों, डॉलर की मजबूती और भू-राजनीतिक तनावों से रुपये पर बने दबाव ने डॉलर में मापी जाने वाली जीडीपी को सीमित किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय रैंकिं ग में गिरावट का आभास हुआ, जबकि घरेलू वृद्धि सुदृढ़ बनी रही। यह स्थिति मुख्यतः विनिमय दर और सांख्यिकीय कारणों का परिणाम है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या भारतीय रिज़र्व बैंक को अधिक सक्रिय हस्तक्षेप करना चाहिए था। यद्यपि उसने समय-समय पर बाजार में सीमित हस्तक्षेप कर अल्पकालिक दबाव को कुछ हद तक नियंत्रित किया, किंतु यह हस्तक्षेप रुपये की निरंतर गिरावट को रोक कर उसे अपेक्षित स्थिरता प्रदान करने में पूर्णतः सफल नहीं हो सका। परिणामस्वरूप, नीति का प्रभाव संतुलनकारी तो रहा, पर निर्णायक नहीं बन सका। इटली सहित यूरोप के कई देशों में सरकार और जनता के स्तर पर इज़रायल के प्रति रुख में आया बदलाव यह संकेत देता है कि वैश्विक राजनीति में अब अंध-समर्थन के बजाय मानवीय और नैतिक प्रश्न अधिक प्रभावी हो रहे हैं। ऐसे परिदृश्य में भारत की पश्चिम एशिया नीति, जो औपचारिक रूप से 'संतुलन' पर आधारित कही जाती है।

आईपीएल फाइनल के बाद वर्कलोड मैनेजमेंट पर फोकस, युवाओं को मिल सकता है डेब्यू मौका

अफगान टेस्ट में सीनियर खिलाड़ियों को आराम संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान के खिलाफ इकलौते टेस्ट में शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। 31 मई को IPL 2026 का फाइनल है और भारतीय टीम का इंटरनेशनल कैलेंडर व्यस्त है। वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते कुछ खिलाड़ियों को आराम मिल सकता है। वहीं, हर्ष दुबे, आकिब नबी और देवदत्त पडिक्कल को मौका मिल सकता है। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने गेंदबाजी में सुधार किया है, जिससे उनके नाम पर चर्चा है। चयन समिति जल्दबाजी के बजाय मेडिकल टीम की सलाह पर फैसला करेगी। अफगानिस्तान और भारत के बीच 4 वनडे हुए, सभी

मल्टिनेशन टूर्नामेंट में। एशिया कप में 2 मैच हुए, 1 भारत जीता और 2018 में एक टाई रहा। 2019 और 2023 वर्ल्ड कप में भी 2 मैच हुए, दोनों भारत जीता। दोनों के बीच पहली बार वनडे सीरीज होगी। टी-20 इंटरनेशनल में दोनों के बीच 9 मैच हुए। 8 में भारत जीता, जबकि एशियन गेम्स में एक मुकाबला बेनतीजा रहा। इस फॉर्मेट की इकलौती सीरीज 2024 में हुई थी, जिसमें भारत 3-0 से जीता था।

आईपीएल 2026 का फाइनल 31 मई को है, जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट 6 जून से शुरू होगा। दोनों के बीच सिर्फ 5-6 दिन हैं। मैनेजमेंट खिलाड़ियों की थकान और इंजरी रिस्क को लेकर गंभीर है।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल का दबाव नहीं, सीनियर बाहर हो सकते हैं

अफगानिस्तान के खिलाफ इस इकलौते टेस्ट में WTC के कोई पॉइंट्स दांव पर नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक, सिलेक्टर्स और मैनेजमेंट स्टार खिलाड़ियों को वनडे या इंग्लैंड सीरीज के लिए फ्रेश रखना चाहते हैं। मैनेजमेंट मानता है कि बुमराह जैसे अहम गेंदबाज को ऐसे मैच में उतारना जोखिम होगा।

मुल्लनपुर टेस्ट में नए चेहरे दिख सकते हैं

6 जून से मुल्लनपुर में शुरू होने वाले टेस्ट के लिए चयनकर्ता घरेलू सर्किट पर नजर रख रहे हैं। सीनियर खिलाड़ियों को आराम मिला तो युवा खिलाड़ियों को डेब्यू मिल सकता है। इंडिया-ए के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार रेस में आगे हैं। भारतीय टीम का जून महीना पैक है। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे के बाद टीम आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड दौरा होगा, जहां 3 टी-20 और 3 वनडे होंगे। इसके बाद 23 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 टी-20 मैच शुरू होंगे।

66 अफगानिस्तान ने टेस्ट करियर की शुरुआत टीम इंडिया के खिलाफ की थी। 2018 में बेंगलुरु में भारत ने पारी और 262 रन से मैच जीता था। तब से अफगानिस्तान ने 13 टेस्ट खेले, 4 जीते, 7 हारे और 2 ड्रॉ रहे।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में बांग्लादेशी खिलाड़ियों का जलवा

तंजीद हसन 14 पायदान चढ़कर 40वें नंबर पर पहुंचे, बैटिंग रैंकिंग में चार भारतीय

मुबंई, एजेंसी

ICC की ताजा वनडे और टी-20 प्लेयर रैंकिंग बुधवार को जारी हुई। न्यूजीलैंड के खिलाफ मीरपुर में मिली 6 विकेट की जीत के बाद बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने लंबी छलांग लगाई है। वहीं, बैटिंग रैंकिंग में चार भारतीय शामिल हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे मैच में बांग्लादेश ने कीवी टीम को हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। इस जीत में तंजीद हसन ने 76 रनों की अहम पारी खेली, जिससे उन्हें वनडे बैटिंग रैंकिंग में 14 पायदान का फायदा हुआ और वे 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, तौहीद ह्रदोय 30 रन की नाबाद पारी के दम पर 5 स्पॉट ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 26वें स्थान पर आ गए हैं। गेंदबाजों की वनडे रैंकिंग में बांग्लादेश के स्पिनर रिशाद हुसैन और पेसर नाहिद राणा को बड़ा

फायदा हुआ है। मीरपुर वनडे में दोनों ने मिलकर 6 विकेट झटके थे। रिशाद 10 पायदान ऊपर चढ़कर 58वें और नाहिद राणा 32 पायदान की छलांग लगाकर 64वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शरीफुल इस्लाम ने साल 2024 के अंत के बाद पहली बार वनडे मैच खेला और दो मैचों में 4 विकेट लेकर 39वें स्थान के साथ रैंकिंग में वापसी की है। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के बल्लेबाज डेरिल मिचेल बांग्लादेश के खिलाफ मौजूदा सीरीज में नहीं खेल रहे हैं। इसके बावजूद वे वनडे बैटिंग रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। फिलहाल वनडे चार्ट्स में उनका दबदबा कायम है। स्कॉटलैंड के नामीबिया दौरे के बाद T20 रैंकिंग में भी बदलाव हुए हैं। स्कॉटलैंड ने यह सीरीज 2-1 से जीती। सीरीज के आखिरी मैच में शतक लगाने वाले ओपनर जॉर्ज मुन्से 7 पायदान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, गेंदबाज मार्क वॉट ने दो मैचों में 3 विकेट लेकर 10 पायदान की छलांग लगाई और अब वे 47वें नंबर पर हैं। नामीबिया के कप्तान जेरार्ड इरास्मस ने बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने सीरीज की 3 पारियों में 145 रन बनाए, जिससे वे बैटिंग रैंकिंग में 24 पायदान चढ़कर 73वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर रैंकिंग में वे 5 पायदान ऊपर उठकर अब दुनिया के 10वें नंबर के ऑलराउंडर बन गए हैं।

फास्ट न्यूज

सुकेश ने जैकलीन को जेल से लेटर लिखा

दिल्ली। 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस के अप्रूवर बनने के आवेदन के बीच आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ने जेल से उन्हें फिर लेटर लिखा है। 21 अप्रैल को लिखे इस लेटर में सुकेश ने जैकलीन को बेबी बोम्मा और माय जैकी कहा। लेटर में उसने लिखा कि प्यार और जंग में सब जायज है और वह हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा, चाहे कुछ भी हो जाए।

ऑनलाइन गेमिंग के नए नियम 1-मई से लागू होंगे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में ऑनलाइन गेमिंग को रेगुलेट करने के लिए ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया (OGAI) के गठन का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। यह नई व्यवस्था ऑनलाइन गेमिंग रेगुलेशन एक्ट-2025 के तहत 1 मई से पूरे देश में प्रभावी हो जाएगी। नए नियमों के तहत गेमिंग कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए सर्टिफिकेट की वैलिडिटी को दोगुना कर दिया है। आईटी सचिव एस.कृष्णन ने बताया कि सरकार ने गेमिंग इंडस्ट्री के लिए लाइट-टच रेगुलेटरी अप्रोच अपनाई है, ताकि स्टार्टअप्स और डेवलपर्स पर बेवजह बोझ न पड़े। नए नियमों के तहत सबसे बड़ा बदलाव ऑनलाइन गेम्स के सर्टिफिकेशन को लेकर किया गया है। अब किसी भी गेम को मिलने वाले सर्टिफिकेट की वैलिडिटी 5 साल के बजाय 10 साल होगी।

सरकार ने एविएशन फ्यूल में एथेनॉल मिलाने की मंजूरी दी

नई दिल्ली। सरकार ने एविएशन सेक्टर में प्रदूषण कम करने और महंगे कच्चे तेल के आयात को घटाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) में एथेनॉल ब्लेंडिंग को मंजूरी दे दी है। इसके लिए सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर ATF मार्केटिंग नियमों में बदलाव किया है।

रजनीकांत-कमल हासन ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में वोट डाला

2 सीटों से चुनाव लड़ रहे विजय ने भी दिया वोट, तृषा कृष्णन

- कमल हासन चेन्नई के अलवरपेट स्कूल में अपनी बेटी श्रुति हासन के साथ वोट डालने पहुंचे।
- चेन्नई में रजनीकांत पोएस गार्डन स्थित अपने घर से निकलकर स्टेला मैरिस स्कूल के पोलिंग बूथ पहुंचे और मतदान किया।

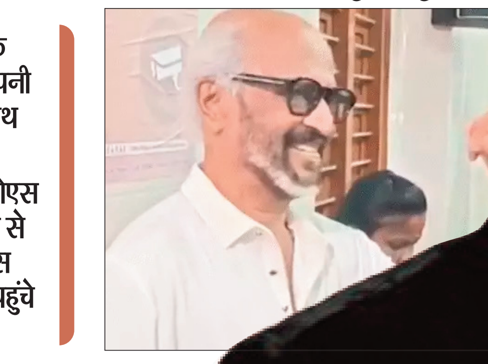

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में फर्स्ट फेज की 152 सीटों पर और तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। आज तमिलनाडु के चेन्नई में रजनीकांत, कमल हासन, धनुष समेत कई सेलेब्स ने वोटिंग की। साउथ सुपरस्टार थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (TVK), तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सभी 234 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। विजय स्वयं पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व से चुनाव लड़ने के उम्मीदवार हैं।

दोस्त की शादी में भागते हुए दिखे, लोगों ने घेरा, देखें वीडियो

जूता चुराई रस्म के दौरान गिरते-गिरते बचे आर्यन

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड सुपरस्टार Shah Rukh Khan के बेटे और डायरेक्टर Aryan Khan एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह कोई फिल्म नहीं, बल्कि एक शादी समारोह में उनका फन अंदाज है। हाल ही में वह अपने करीबी दोस्त माहिर मेहता की शादी में शामिल हुए, जहां से उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वेडिंग सेरेमनी के दौरान पारंपरिक 'जूता चुराई' रस्म को लेकर जबरदस्त हलचल देखने को मिली।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

यह वीडियो वेडिंग ऑर्गेनाइजर 'जेस्ट इवेंट्स' द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया, जिसके कैप्शन में लिखा गया कि यह सिर्फ जूता चुराई नहीं, बल्कि पूरी तरह मनोरंजक मुकाबला था। वीडियो सामने आने के बाद फैंस लगातार इस पर रिएक्शन दे रहे हैं। फिलहाल Aryan Khan ने अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके फैंस को उनके अगले काम का बेसब्री से इंतजार है। वहीं, शादी में उनके इस मजेदार अंदाज ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है।

> **वीडियो में एक पल ऐसा भी आता है जब आर्यन खान जूता बचाने के चक्कर में अपना संतुलन खो बैठते हैं और गिरते-गिरते बचते हैं। हालांकि, इस पूरे दौरान उन्होंने जूता नहीं छोड़ा और पूरी तरह इस रस्म को एन्जॉय करते नजर आए। उनका यह अंदाज लोगों को खूब पसंद आ रहा है।**

डायरेक्टर के तौर पर कर चुके हैं डेब्यू

वर्क फ्रंट की बात करें तो Aryan Khan ने वेब सीरीज The Ba**ds of Bollywood से बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू किया था, जो सितंबर 2025 में रिलीज हुई थी। इस सीरीज में Bobby Deol, Lakshya Lalwani, Raghav Juyal, Mona Singh समेत कई कलाकार नजर आए थे। इसके अलावा Salman Khan, Aamir Khan और Ranveer Singh जैसे सितारों ने कैमियो किया था।

कैजुअल लुक में दिखे आर्यन

इस खास मौके पर Aryan Khan बेहद सिंपल और कैजुअल लुक में नजर आए। उन्होंने जींस, टी-शर्ट और ब्राउन जैकेट पहनी हुई थी। उनका यह स्टाइल सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

ईरान जंग के बीच परमाणु विभाग के साइंटिस्ट भी सस्पेंड, हनी ट्रैप में फंसे थे

ट्रम्प ने आर्मी के बाद नौसेना चीफ को बर्खास्त किया

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के भीतर लगातार बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल को आर्मी चीफ रैंडी जॉर्ज को हटाया था। अब नौसेना प्रमुख जॉन फेलन को भी पद से बर्खास्त कर दिया है। इसके साथ ही परमाणु विभाग से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी एंड्रयू हग को संवेदनशील जानकारी लीक करने के आरोप में सस्पेंड किया गया है, जो कथित तौर पर हनी ट्रैप में फंस गया था। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिका, ईरान के साथ जंग में उलझा हुआ है। फारस की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना एक्टिव है।

> **इन योजनाओं में कई दिक्कतें आ रही थीं। जहाजों के बनने में देरी हो रही थी, कई प्रोजेक्ट तय समय से काफी पीछे चल रहे थे। लागत भी लगातार बढ़ रही थी, यानी बजट से ज्यादा खर्च हो रहा था। हेगसेथ का मानना था कि जरूरी सैन्य सुधारों को लागू करने में फेलन काफी धीमे हैं।**

पेंटागन की तरफ से छोटा सा बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई, लेकिन हटाए जाने की स्पष्ट वजह नहीं बताई गई। हालांकि सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों से फेलन और पेंटागन के शीर्ष नेतृत्व के बीच लगातार मतभेद चल रहे थे। खासकर नौसेना के जहाज निर्माण कार्यक्रम, काम करने के तरीके और नेतृत्व को लेकर उनके और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बीच टकराव बढ़ता जा रहा था। दरअसल, अमेरिका अपनी नौसेना को मजबूत करने के लिए नए युद्धपोत, पनडुब्बियां और सपोर्ट जहाज तेजी से बनाना चाहता है। इसके लिए बड़े स्तर पर शिपबिल्डिंग सुधार शुरू किए गए थे।

अमेरिका के नेवी सेक्रेटरी जॉन फेलन। उनके पीछे विदेश मंत्री मार्क रूबियो और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प खड़े हैं।

रक्षा मंत्री हेगसेथ के साथ फेलन। वे ट्रम्प सरकार के दूसरे कार्यकाल में नियुक्त पहले अधिकारी हैं, जिन्हें पद से हटाया गया है।

ट्रम्प से सीधे संपर्क करने से भी नाराजगी बढ़ी

वहीं, फेलन का सीधे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से संपर्क करना भी विवाद की वजह बना। दरअसल फेलन सीधे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से संपर्क कर रहे थे, जबकि आम तौर पर ऐसा नहीं किया जाता। अमेरिकी सेना में एक तय कमांड चेन होती है। यानी फैसले और जानकारी नीचे से ऊपर एक तय क्रम में जाती है। जैसे नौसेना के अधिकारी पहले अपने सीनियर को रिपोर्ट करते हैं, फिर रक्षा मंत्रालय के जरिए बात राष्ट्रपति तक पहुंचती है।

रैंडी जॉर्ज- समय से एक साल पहले जबरन निकाले गए

अमेरिकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को 2 अप्रैल को हटा दिया गया। रैंडी का पद साल 2027 में समाप्त होने वाला था। उनके जाने के बाद वाइस चीफ ऑफ स्टाफ जनरल क्रिस्टोफर ला नेव कार्यवाहक आर्मी चीफ की जिम्मेदारी संभालेंगे। ला नेव पहले हेगसेथ के सहायक रह चुके हैं। इस पूरे मामले में आधिकारिक तौर पर कोई वजह नहीं दी गई है। पेंटागन ने सिर्फ इतना कहा कि वह रिटायर हो रहे हैं और उनकी सेवा के लिए धन्यवाद दिया।

नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग का इस्तीफा

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी से संबंधों पर विवाद, एक महीने में दो मंत्री सरकार से बाहर

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी और कारोबारी दीपक भट्ट से संबंध का आरोप है। इसके अलावा निवेश और वित्तीय लेनदेन को लेकर भी सवाल उठे हैं। नेपाल के अखबार कांतिपुर की रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने निष्पक्ष जांच और हितों के टकराव से बचने के लिए पद छोड़ने की बात कही। गुरुंग ने फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'मैंने अपने खिलाफ उठे सवालों को गंभीरता से लिया है। मेरे लिए नैतिकता किसी भी पद से बड़ी है और जनता का भरोसा सबसे बड़ी ताकत है।' यह नेपाल की नई सरकार में एक महीने के भीतर दूसरा मामला है, जब किसी मंत्री को पद छोड़ना पड़ा है। इससे पहले 9 अप्रैल को श्रम, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा मंत्री दीपक कुमार साह को अनुशासनहीनता के आरोप में हटाया गया था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गुरुंग

के कारोबारी दीपक भट्ट से संबंधों को लेकर विवाद हुआ। दीपक भट्ट को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है और मामले की जांच जारी है। भट्ट की गिरफ्तारी के बाद गुरुंग की वित्तीय गतिविधियों, निवेश और शेयर को लेकर सवाल उठने लगे थे। मीडिया में उनके कथित संबंध और असामान्य ट्रांजैक्शन पर लगातार रिपोर्ट्स आईं। कांतिपुर को मिले बैंक रिकॉर्ड के अनुसार, गुरुंग के निजी खाते, उनकी संस्था 'हामी नेपाल' और कंपनियों के बीच बड़े पैमाने पर लेनदेन हुए।

मौत : चेन्नई में ली अंतिम सांस, पत्नी के ऑपरेशन के लिए परिवार के साथ गए थे

बीकाजी के सीएमडी शिवरतन अग्रवाल का हार्ट अटैक से निधन

बीकानेर, एजेंसी

बीकाजी के सीएमडी शिवरतन अग्रवाल (74) का गुरुवार सुबह चेन्नई में निधन हो गया। वे अपनी पत्नी के ऑपरेशन के सिलसिले में चेन्नई में थे। गुरुवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। जानकारी के अनुसार, उनकी पत्नी का हाल ही में हार्ट बायपास का ऑपरेशन हुआ था। डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी थी। इसी कारण शिवरतन अग्रवाल परिवार सहित वहां के एक होटल में ठहरे हुए थे। बीकानेर के सार्दुलगंज के रहने वाले शिवरतन 10 दिन पहले परिवार के साथ चेन्नई गए थे। गुरुवार सुबह करीब साढ़े सात बजे शिवरतन

अग्रवाल कुछ असहज महसूस कर रहे थे। हालत बिगड़ने पर उन्हें प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाया गया था। जहां उनका निधन हो गया। शिवरतन अग्रवाल ने साल 1993 में बीकानेर में बीकाजी ब्रांड की स्थापना की थी। छोटे स्तर से शुरू हुआ यह कारोबार आज एक बड़े फूड ब्रांड के रूप में स्थापित है। बिजनेस के बंटवारे के बाद शिव रतन अग्रवाल ने अपने खानदानी बिजनेस 'हल्दी राम' से अलग होकर खुद का बिजनेस शुरू करने के बारे में सोचा। अपनी अलग पहचान बनाने की जिद के साथ शिव रतन अग्रवाल बीकानेर पहुंच गए।

फैक्ट्री में प्रोडक्शन और सप्लाई पर रोक लगाई

शिवरतन अग्रवाल के निधन के बाद बीकानेर के करणी और बीछवाल इंडस्ट्रीयल एरिया में बनी फैक्ट्री में प्रोडक्शन रोक दिया गया है। इसके साथ ही आज होने वाली सप्लाई भी रोक दी गई है। बीकानेर की इस फैक्ट्री में रोजाना 800 टन का प्रोडक्शन होता है। इसमें से 150 टन से ज्यादा भुजिया का उत्पादन है। बाकी मिठाई, चिप्स, पापड़ और बैकरी के आइटम बनते हैं।

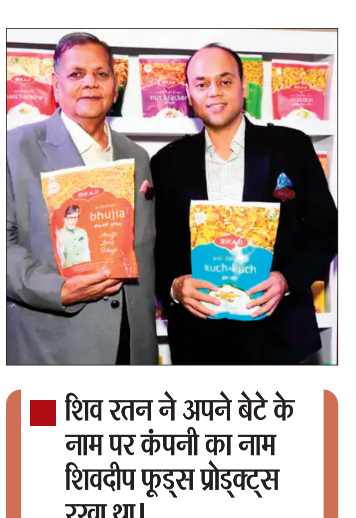

- शिव रतन ने अपने बेटे के नाम पर कंपनी का नाम शिवदीप फूड्स प्रोडक्ट्स रखा था।
- साल 2022 में बीकाजी कंपनी स्टॉक मार्केट में लिस्ट हुई थी।

सेंसेक्स 850 अंक गिरकर 77,650 पर कारोबार कर रहा

मुंबई। आज यानी गुरुवार, 23 अप्रैल को सेंसेक्स 850 अंक (1.05%) की गिरावट के साथ 77,650 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी 200 अंकों (0.85%) की गिरावट है, ये 24,200 के स्तर से नीचे आ गया है। आज के कारोबार में सरकारी बैंक और ऑटो के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई हैं। बाजार में तेल की मजबूत डिमांड और 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' को लेकर चिंता बढ़ी है जिस वजह से ये तेजी आई है। हॉर्मुज को तेल की सप्लाई के लिए सबसे अहम रास्ता माना जाता है। 22 अप्रैल को सेंसेक्स 757 अंक (0.95%) की गिरावट के साथ 78,516 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 199 अंकों (0.81%) की गिरावट रही, ये 24,378 पर आ गया। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई हैं। बाजार में तेल की मजबूत डिमांड और 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' को लेकर चिंता बढ़ी है जिस वजह से ये तेजी आई है। हॉर्मुज को तेल की सप्लाई के लिए सबसे अहम रास्ता माना जाता है।

चांदी ₹4,700 सस्ती, ₹2.43 लाख पर आई, इस साल सोना ₹18 हजार महंगा हुआ

सोना ₹927 गिरकर ₹1.51 लाख पर आया

मुंबई, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में आज यानी 23 अप्रैल को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 927 रुपए गिरकर 1.51 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 22 अप्रैल को इसकी कीमत 1.52 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं एक किलो चांदी 4,700 रुपए गिरकर 2.43 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2.48 लाख रुपए प्रति किलो थी 2026 में सोना अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 13 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.43 लाख रुपए पर पहुंच गई है। 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का हाई बनाया था। यानी पीक से सोना 25 हजार रुपए और चांदी 1.42 लाख सस्ती हुई है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

- **मैग्नेट टेस्ट:** असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।
- **आइस टेस्ट:** सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।
- **स्मेल टेस्ट:** असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।
- **क्लॉथ टेस्ट:** चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

उत्तर भारत के 9 राज्यों-केन्द्र शासित प्रदेशों की भागीदारी, टरढ, डिजिटल एग्रीकल्चर और इंफ्रास्ट्रक्चर पर होगी गहन चर्चा

24 अप्रैल को जोनल एग्रीकल्चर कॉन्फ्रेंस

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने गुरुवार को लोक भवन स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि 24 अप्रैल 2026 को लखनऊ में उत्तर क्षेत्रीय जोनल एग्रीकल्चर कॉन्फ्रेंस-2026 का आयोजन किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण सम्मेलन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। प्रेस वार्ता के दौरान मंत्री शाही ने कहा कि उत्तर भारत देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ के रूप में अहम भूमिका निभाता है। ऐसे में इस क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने, किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को आधुनिक दिशा देने के उद्देश्य से इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस पहल को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आगे बढ़ाया

है। केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कृषि क्षेत्र की चुनौतियों का समाधान निकालना इस सम्मेलन का प्रमुख लक्ष्य है। मंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन केवल औपचारिक बैठक नहीं होगा, बल्कि इसमें कृषि से जुड़े विभिन्न पहलुओं—जैसे उत्पादन, तकनीक, विपणन और अवसंरचना—पर गहन चर्चा की जाएगी। इसके आधार पर एक ऐसी ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी, जो सीधे किसानों के हित में लागू हो सके। सूर्य प्रताप शाही ने दोहराया कि उत्तर भारत देश के खाद्य उत्पादन का प्रमुख आधार है। गेहूं, धान, गन्ना सहित कई फसलों के उत्पादन में यह क्षेत्र अग्रणी है। ऐसे में यहां की कृषि व्यवस्था को और मजबूत बनाना राष्ट्रीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, लागत में कमी और आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देना है। साथ ही खेती को लाभकारी और टिकाऊ बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं और नीतियों पर भी चर्चा होगी।

कृषि से जुड़े अहम मुद्दों पर मंथन

इस सम्मेलन में कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड (KCC), एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (AIF), आत्मनिर्भर भारत के तहत दलहन मिशन, राष्ट्रीय खाद्य तेल-तिलहन मिशन और डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही उर्वरकों की उपलब्धता, संतुलित उपयोग और कालाबाजारी पर नियंत्रण जैसे जमीनी मुद्दों पर भी विचार-विमर्श होगा। सम्मेलन में विभिन्न राज्य अपनी श्रेष्ठ कृषि पद्धतियों को प्रस्तुत करेंगे। उत्तर प्रदेश गन्ने के साथ अंतरफसली खेती और 'डायरेक्ट सीडिंग ऑफ राइस' (DSR) तकनीक को साझा करेगा, जबकि हरियाणा 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल, पंजाब फसल विविधीकरण और पहाड़ी राज्य बागवानी क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को प्रस्तुत करेंगे।

लखनऊ का यह सम्मेलन जयपुर, विशाखापट्टनम और गुवाहाटी में आयोजित जोनल कॉन्फ्रेंस श्रृंखला का अहम हिस्सा है। इस श्रृंखला का समापन 28-29 मई को दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय खरीफ सम्मेलन के साथ होगा, जहां क्षेत्रीय अनुभवों को राष्ट्रीय रणनीति में बदला जाएगा। सरकार का मानना है कि यह पहल न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बहु-हितधारक मंच बनेगा सम्मेलन

यह आयोजन एक बड़े संवाद मंच के रूप में उभरेगा, जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि, एफपीओ, स्टार्टअप्स, एग्री-टेक कंपनियां और नाबार्ड, नाफेड, एनसीसीएफ एवं एनएससी जैसी संस्थाएं शामिल होंगी। राज्य सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर धान, गेहूं, मिलेट्स और दलहन-तिलहन की खरीद की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि किसानों को उनके उत्पादों का सही मूल्य मिल सके।

इन राज्यों की होगी भागीदारी

सम्मेलन में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान, दिल्ली और चंडीगढ़ सहित कुल 9 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। ये सभी क्षेत्र देश में गेहूं, धान, गन्ना, दूध, फल और सब्जियों के उत्पादन में अहम योगदान देते हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे, जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

लखनऊ के चिड़ियाघर में जानवरों के लिए 'कूल डाइट'

गोरिल्ला खा रहा तरबूज, भालू को दिया जा रहा खीरा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। गोरिल्ला तरबूज खा रहा है तो, भालू खीरा...। लखनऊ चिड़ियाघर में जानवरों को 42 डिग्री टेंपरेचर में राहत देने के लिए बर्फ की सिल्लियां लगाई गई हैं। लखनऊ में पड़ रही भीषण गर्मी का असर सिर्फ इंसानों पर ही नहीं, बल्कि बेजुबानों पर भी साफ दिख रहा है। ऐसे में नवाब वाजिद अली शाह चिड़ियाघर में प्रशासन ने जानवरों के लिए खास इंतजाम किए हैं। जानवरों को राहत देने के लिए साफ पानी और कूलर की व्यवस्था की गई है। खाने के लिए फल, और ताजी सब्जियों को उनके डाइट में शामिल किया गया है। पक्षियों को पीने के लिए साफ पानी की व्यवस्था की गई है। खास तौर पर चिड़ियाघर में कुल 48 स्प्रिंकलर लगाए गए हैं, जो फव्वारे की तरह पानी का छिड़काव कर बाड़ों को ठंडा रखते हैं और जानवरों को राहत पहुंचाते हैं। चिड़ियाघर में बने तालाबों की मरम्मत कर उनमें ठंडा पानी भरा गया है, ताकि जानवर उसमें स्नान कर सकें। पक्षियों के लिए विशेष रूप से हरे पर्दे लगाए गए हैं, जिससे उन्हें तेज धूप और गर्मी से बचाया जा सके। इसके अलावा, पक्षियों के कवर्ड बाड़ों में छप्पर और नरकुल बिछाए गए हैं, जिससे अंदर का तापमान कंट्रोल रहे। बड़े जानवरों के लिए हर जगह पर्याप्त पानी की व्यवस्था की गई है। वहीं, टाइगर और लायन जैसे जानवरों के लिए कूलर लगाए गए हैं। गर्मी को देखते हुए जानवरों के खान-पान में भी बदलाव किया गया है। चिड़ियाघर में तीन डॉक्टरों की टीम सहित पूरी वेटरिनरी टीम लगातार जानवरों की सेहत पर नजर बनाए हुए है।

फास्ट न्यूज़

लखनऊ में 50 साल पुराना कब्जा हटेगा

लखनऊ। लखनऊ में ऐशबाग इलाके में लंबे समय से अवैध कब्जे में चल रही एलडीए की करीब 200 करोड़ रुपए की नजूल जमीन अब खाली कराई जाएगी। इस जमीन पर मध्यम वर्ग के लिए 264 फ्लैट बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। खास बात यह है कि ये फ्लैट शहर की प्राइम लोकेशन पर होंगे और इनकी प्रस्तावित कीमत करीब 30 लाख रुपए रखी गई है।

एसजीपीजीआई महिला रेजिडेंट का साथी डॉक्टर ने यौन शोषण किया

लखनऊ। SGPGI लखनऊ की रेजिडेंट डॉक्टर ने साथी डॉक्टर पर यौन शोषण और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए FIR दर्ज कराई है। मामले में पीड़ित महिला रेजिडेंट डॉक्टर की तहरीर पर SGPGI थाने में BNS की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता का आरोप है कि पहले आरोपी ने झांसा देकर उसके साथ शारीरिक बनाए और गर्भनिरोधक गोलियां खिलाईं। जब पीड़िता ने उसकी बात नहीं मानी तो आरोपी ने उसका शोषण करना शुरू कर दिया। उसे धमकी दी और उसकी बदनामी करने लगा। जिसके चलते पीड़िता मानसिक अवसाद में चली गई। लंबी लड़ाई और कई दरवाजे खटखटाने के बाद आखिरकार उसकी आवाज सुनी गई।

सहारनपुर में मुठभेड़ में बदमाश गिरफ्तार

सहारनपुर। सहारनपुर में देर रात को पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। चेकिंग के दौरान बदमाश ने पुलिस पर गोली चला दी। जिसके बाद पुलिस को भी काउंटर फायरिंग करनी पड़ी। जिसमें बदमाश के पैर पर गोली लग गई और वो घायल हो गया। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया है। उसके बाद से एक तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद हुई है। मामला थाना सरसावा क्षेत्र का है।

महाराजगंज में अस्पताल जाते समय हादसा, आरोपी चालक 12 किमी दूर पकड़ा

ट्रेलर ने पति-पत्नी और बेटी को कुचला

तमसा संकेत, एजेंसी

महाराजगंज। यूपी के महाराजगंज में एक ही बाइक पर सवार परिवार के 3 लोगों को तेज रफ्तार ट्रेलर ने कुचल दिया। हादसे में पति-पत्नी और 7 महीने की मासूम बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेलर की तेज टक्कर के कारण तीनों के सिर फट गए। हेलमेट पहने होने के बावजूद बाइक चला रहे पति की जान नहीं बच सकी। पति-पत्नी अपनी बीमार बेटी का इलाज कराने के लिए अस्पताल जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पत्नी और बेटी ट्रेलर के नीचे आ गए, जबकि चालक पति 4 फीट दूर जा गिरा। पुलिस ने तीनों को अस्पताल भिजवाया, जहां मृत घोषित कर दिया गया। घटना को अंजाम देने के बाद भागने की कोशिश कर रहे ट्रेलर चालक को पुलिस ने 12 किलोमीटर तक ट्रेस करते हुए गिरफ्तार कर लिया। घटना जिला मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर चंदुरियां थाना क्षेत्र में सिंदुरिया-चिउटहां मार्ग पर बलुवही धूंस गांव के पास की है। थाना कोठीभार के पकड़ी भारतखंड निवासी नौशाद (28) की बेटी सलेहा (7 माह) की तबीयत खराब थी। वे बेटी को लेकर पत्नी सलेहा (26) के साथ गुरुवार दोपहर अस्पताल जाने के लिए घर से बाइक लेकर निकले थे। इस बीच, जरूरी काम से सिंदुरिया थाना क्षेत्र में ईंट भट्ठे के पास रुके थे। काम निपटाने के बाद जैसे ही अस्पताल के लिए बढ़े, कुछ ही दूरी पर सिंदुरिया-चिउटहां मार्ग पर बलुही धूस गांव के पास एक तेज रफ्तार गिट्टी लदे ट्रेलर (बीआर 28 जीबी 9110) ने दोपहर करीब 1 बजे पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पत्नी और बेटी पहिए के नीचे आ गए। पति सिर के बल दूर जा गिरा। हादसे में तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रोड पर खून ही खून फैल गया। हेलमेट पहने होने के बावजूद नौशाद का सिर फट गया। भीड़ को जुटता देख ट्रेलर चालक भागने की कोशिश करने लगा, पर राहगीरों ने उसके पकड़ लिया। राहगीरों की सूचना पर सिंदुरिया थाना प्रभारी राजकुमार सिंह फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। तीनों को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। एएसपी सिद्धार्थ ने बताया- प्रथम दृष्टया हादसा तेज रफ्तार और आमने-सामने की टक्कर के कारण हुआ प्रतीत होता है।

> **"थाना प्रभारी राजकुमार सिंह ने बताया- हादसे की जानकारी मिलते ही हम घटनास्थल पर पहुंचे थे। लोगों से ट्रेलर का नंबर पता चल गया। तत्काल सर्विलांस और आसपास के थानों की मदद से आरोपी चालक को घटना स्थल से 12 किलोमीटर दूर घुघुली थाना क्षेत्र के पकड़ी विशुनपुर के पास पकड़ लिया गया। ट्रेलर को जब्त कर लिया गया है।**

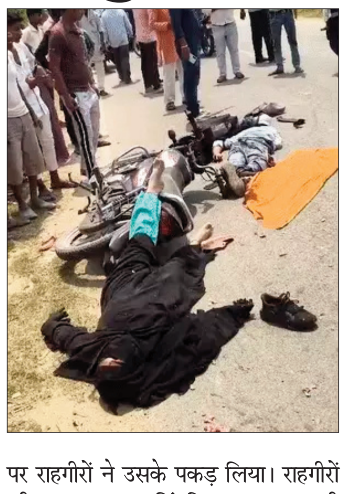

महिलाओं की सुरक्षा पर सरकार घिरी, जातीय जनगणना की मांग तेज: अखिलेश यादव

इटावा में बोले सपा प्रमुख-महिलाओं के साथ अपराध बढ़े, भाजपा पर भेदभाव और झूठे प्रचार का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में महिलाएं और बेटियां सबसे ज्यादा असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उनके मुताबिक, प्रदेश में महिलाओं के साथ अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जबकि सरकार इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने में विफल रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और सम्मान के लिए सरकार ने कोई ठोस काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को केवल आरक्षण ही नहीं, बल्कि सुरक्षा और संरक्षण भी जरूरी है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर भी महिलाओं के प्रति संवेदनहीन होने का आरोप लगाया। सपा प्रमुख ने जातीय जनगणना की मांग को दोहराते हुए कहा कि इससे समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों को उनका अधिकार मिल सकेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इस प्रक्रिया से बचना चाहती है, जिससे सामाजिक न्याय प्रभावित हो रहा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भी बयान दिया और कहा कि भाजपा को वहां हार का सामना करना पड़ेगा। उनके अनुसार, राज्य में एक बार फिर ममता बनर्जी की सरकार बनने की संभावना है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने इटावा के विकास में भेदभाव किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भू-माफियाओं ने जमीनों पर कब्जा कर लिया है और प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाया गया है। साथ ही महंगाई और बेरोजगारी बढ़ने से आम जनता और किसान परेशान हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने चकरनगर स्थित श्री रामकृष्ण परम धाम में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि धर्म का मार्ग न्याय और समानता का मार्ग होता है, जो समाज में खुशहाली लाता है।

जिम जाने की जिद पड़ी भारी

मुरादाबाद में सनकी पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट, 7 घंटे शव के पास बैठा रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के कटघर क्षेत्र में घरेलू विवाद ने खौफनाक मोड़ ले लिया, जहां एक स्क्रैप दुकानदार ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना डबल फाटक इलाके की है, जिसने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी शोभित गुप्ता ने अपनी पत्नी पूनम गुप्ता के सिर पर लोहे के हैंडल से कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हैरानी की बात यह रही कि हत्या के बाद आरोपी करीब सात घंटे तक शव को बेड पर रखकर उसी कमरे में बैठा रहा। शाम के समय आरोपी ने पहले एंबुलेंस को फोन कर पत्नी के घायल होने की जानकारी दी। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आरोपी को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी की डबल फाटक क्षेत्र में स्क्रैप की दुकान है।

उसकी शादी करीब दस साल पहले रामपुर निवासी पूनम गुप्ता से हुई थी। दंपति की एक बेटी भी है, जो इस घटना के बाद सदमे में है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि मृतका पूनम नियमित रूप से जिम जाती थी, जिसका आरोपी पति विरोध करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर कहासुनी होती रहती थी। बुधवार सुबह जिम से लौटने के बाद दोनों के बीच एक बार फिर विवाद हुआ, जो इस बार हिंसक झगड़े में बदल गया और आरोपी ने गुस्से में आकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही मृतका के मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए। परिवार में इस घटना को लेकर गहरा शोक और आक्रोश है पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से पूछताछ जारी है और घटना के हर पहलू की जांच की जा रही है। साथ ही आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि मामले की पूरी सच्चाई सामने आ सके। इस सनसनीखेज वारदात के बाद डबल फाटक इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग घटना को लेकर स्तब्ध हैं और घरेलू विवाद के इस भयावह अंजाम को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

विरोध : वाराणसी वेस्ट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारी, अपर नगर आयुक्त के आश्वासन पर माने

सफाई-कर्मचारियों की हड़ताल, सैलरी न आने से नाराज

- आदमपुर जोन के 500 सफाई से जुड़े कर्मचारियों ने की हड़ताल।
- डंपिंग यार्ड आदमपुर-जैतपुरा के कूड़े से लदे डंफर खड़े रहे।

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी सॉलिड वेस्ट सेल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के 500 कर्मियों ने गुरुवार की सुबह हड़ताल कर दी। सभी हेल्पर और वाहन चालक आदमपुर जोन के पालीकोठी स्थित धनेसरा डंपिंग यार्ड में धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि उन्हें अभी तक सैलरी नहीं मिली है अप्रैल माह की जबकि आज 23 तारीख हो गई है। मौके पर तीन थानों की फोर्स के साथ डीसीपी काशी गौरव बंसवाल पहुंचे और उन्हें समझाया पर वो अधिकारियों को बुलाने के लिए डटे रहे। मौके पर शहर की सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रहीं अपर नगर आयुक्त सविता यादव पहुंची और दो दिन में सैलरी आने का आश्वासन दिया। जिसपर एक बार फिर कर्मी हड़ताल पर बैठ गए और आज ही पैसे की मांग कर रहे हैं। इसके बाद उन्हें शाम तक सैलेरी देने का आश्वासन दिया गया है जिसके बाद कर्मचारी काम पर लौटे। इस दौरान पांच डंफर और 40 छोटी गाड़ियां में कूड़ा यार्ड में ही पड़ा रहा और करसड़ा में डंपिंग प्लांट नहीं जा सका। आदमपुर जोन के गाड़ी ड्राइवर धर्मेंद्र गुप्ता ने बताया - हमारी दो महीने की सैलरी नहीं मिली है। लगातार अधिकारी आश्वासन पर आश्वासन दे रहे हैं। आश्वासन से हमारे घर का चूल्हा नहीं जलेगा। हमें सैलरी चाहिए।

वाराणसी वेस्ट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारयों ने की हड़ताल। बोले- दो महीने से नहीं आयी तनख्वाह।

> **"सुपरवाइजर निलेश ने बताया - कर्मचारियों का वेतन नहीं मिल पा रहा है समय से इसलिए आज सभी हड़ताल पर चले गए हैं। 3 मार्च को ज्यादातर लोगों के अकाउंट में 5 हजार रुपए आए थे। जबकि सैलेरी 1200 है। उस-के बाद आज अप्रैल की 23 तारीख हो गई किसी के अकाउंट में पैसा नहीं आया। ऐसे में आज सभी डंपिंग यार्ड में गाड़ियां खड़ी करके हड़ताल पर चले गए हैं।**

बच्चों की कॉपी किताब कैसे खरीदेंगे

एक अन्य कर्मचारी राकेश ने बताया - अप्रैल के महीने में बच्चों का एडमिशन होता है। जब सैलरी ही नहीं मिलेगी तो किस तरह से हम लोग अपने बच्चों को पढ़ाएंगे। अनुज भाटी प्रोजेक्ट हेड हैं और ये बार बार आश्वासन देते हैं कहते हैं नगर निगम से पैसा नहीं मिला तो कैसे आप को दें। मौके पर अपर नगर आयुक्त और नगर निगम की सफाई व्यवस्था देखने वाली सविता यादव भी पहुंची और कर्मचारियों से बात की । उन्होंने कहा कि मैने साइन कर दिया है और दो दिन में तनख्वाह सभी के खाते में आ जाएगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

सीएम ने ...

बहुत भद्दा और बहुत बुरा लगता था, पर करने की इच्छाशक्ति से धीरे-धीरे परिवर्तन होता गया। उन्होंने कहा कि आज से 30-35 वर्ष पहले, आज जहां ट्रांसपोर्टनगर बना है, पहले गोरखपुर का सारा कचरा वही डंप होता था। नगर निगम ने उसका समाधान किया तो आज वहां ट्रांसपोर्टनगर है, बेहतरीन मार्केट और गोरखपुर की मंडी है। ट्रांसपोर्टनगर बन जाने के बाद कचरा एकला बंधा पर गिराया जाने लगा। इसका परिणाम हुआ, वायु प्रदूषण, जमीन में जहर, नदी प्रदूषण और भूजल स्तर पर भी प्रभाव। इसके चलते एनजीटी भी जुर्माना लगाती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीयत से नियति को बदला गया और बेहतरीन ईको पार्क तैयार हो गया। ईको पार्क के विकास के लिए नगर निगम की पूरी टीम की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम ने गोरखपुर शहर के प्रवेश द्वार पर कचरे को कंचन में बदलने का काम किया है। 2.26 लाख मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण कर बनाया गया ईको पार्क पूरे परिवार के लिए पिकनिक स्पॉट और बेहतरीन पर्यटन स्थल बन गया है। यहां पर बच्चों के खेलने के लिए पार्क है। योग और ध्यान की क्रिया के लिए व्यक्ति यहां आराम से बैठ सकता है। उन्होंने कहा कि यह जो परिवर्तन आया है, वह गोरखपुर के विकास का मजबूत विश्वास और यहां की टीम के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इच्छा शक्ति और साफ नीयत के कारण बीते नौ वर्षों में गोरखपुर में हर क्षेत्र में बदलाव हुआ है। गोरखपुर ने रोड कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, खेल, उद्योग, रोजगार सहित हरेक क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। पहले जहां खेलने की सुविधा नहीं थी, आज गोरखपुर में कई मिनी स्टेडियम बने हैं। गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में एक इंटरनेशनल स्टेडियम का निर्माण हो रहा है। गोरखपुर में एम्स और बीआरडी मेडिकल कॉलेज चिकित्सा के उत्कृष्ट केंद्र बने हैं। यहां चार विश्वविद्यालय है। गोरखपुर में खाद कारखाना भी चल गया है और पिपराइच में चीनी में मिल भी लग गई है। इतना ही नहीं, दक्षिणांचल सहित जिले में बाढ़ की समस्या का भी तेजी से समाधान हो रहा है। सीएम योगी ने ईको पार्क के सामने से नौसढ़-मलौनी फोरलेन सड़क को नौसढ़ की जाम की समस्या का समाधान करने का माध्यम बताते हुए कहा कि करीब तीन किमी लंबे इस फोरलेन से लखनऊ और वाराणसी मार्ग पर आने जाने के लिए आवागमन और भी सुगम हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर नगर में जहां पहले पानी भरता था, आज वहां बेहतर नालियां है। जहां पहले अंधेरा था, आज वहां एलइडी स्ट्रीट लाइट की रोशनी है। जहां लोगों के सामने पेयजल की समस्या थी, वहां आज शुद्ध पेयजल की उपलब्धता हुई है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब बिजली नहीं मिलती थी। अब इस एकला तटबंध पर जो भी बिजली जलेगी, वह सोलर एनर्जी होगी। इसके लिए सोलर पैनल लगाए गए हैं। यह भी नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में किया गया एक बेहतरीन प्रयास है। यहां पर जो सिटी फॉरेस्ट लगाया गया है, यह अपने आप में पूरे क्षेत्र को अत्यंत हरियाली से युक्त करके प्रदूषण से मुक्त करने में बड़ी भूमिका का निर्वहन करेगा। जहां पहले समस्या थी, आज वहां पर गोरखपुर महानगर ने समाधान दिया है। सीएम योगी ने कहा कि आज जो भी यूपी में आता है, उसको प्रदेश के अंदर कुछ बदलाव देखने को मिलता है। सेफ और स्मार्ट सिटी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है और इसी के अनुरूप प्रदेश के सभी नगर निगम स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज प्रदेश में सीएम ग्रिड के तहत स्मार्ट सड़कें बन रही हैं। सभी वार्डों में ग्रीन बेल्ट एंड मिनी फॉरेस्टेशन के कार्य को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और पार्कों के सुंदरीकरण का कार्य हो रहा है। मलिन बस्तियों का विकास किया जा रहा है। खुली नालियों को बेहतरीन तरीके से ढकने का काम किया जा रहा है। समुचित जल निकासी के प्रबंध किए जा रहे हैं। लोकार्पण-शिलान्यास समारोह के मंच से स्वच्छ स्कूल अभियान का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर को 7 स्टार गार्बेज फ्री सिटी बनाने और स्वच्छ सर्वेक्षण में टॉप 3 में लाने के लिए स्कूली बच्चों के विशेष अभियान की शुरुआत की जा रही है। इसमें शामिल एक लाख से अधिक बच्चों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश घर-घर पहुंचेगा।

मोदी का हावड़ा ...

पश्चिम बंगाल के हुगली केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिन लोगों ने भाजपा के कार्यकर्ताओं पर हिंसा की है, हमारे कार्यकर्ताओं की जान गई है, वे सभी सुन लें आप बचे नहीं हैं। 5 तारीख के बाद पाताल से भी ढूंढ कर आपको जेल की सलाखों के पीछे भेजेंगे। पश्चिम बंगाल के हुगली के बालागढ़ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज प्रथम चरण का मतदान लगभग हो चुका है। 5 तारीख को दीदी का सूपड़ा साफ हो जाएगा। बंगाल में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। बंगाल के चुनाव में 29 तारीख को आपको कमल के निशान पर बटन दबाना है। आप सभी को कमल के निशान पर बटन बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त करने के लिए दबाना है। हुगली के तारकेश्वर विधानसभा क्षेत्र में दूसरे चरण के चुनाव से पहले अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने यहां पार्टी उम्मीदवार संतु पान के समर्थन में एक विशाल रोड शो किया।

लखीमपुर में ट्रैक्टर-ट्राली पलटी, 5 की मौत

मुंडन कार्यक्रम में बहराइच जा रहे थे 50 श्रद्धालु, 15 लोग घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी के पढुआ थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 15 लोग घायल हो गए। घायलों में से नौ की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा उस समय हुआ जब लगभग 90 श्रद्धालु मुंडन कार्यक्रम के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली से बहराइच के सुजौली थाना क्षेत्र स्थित कारीकोट देव स्थान जा रहे थे। सभी मरने वाले और घायल शारदानगर थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया, ट्रैक्टक-ट्राली पर काफी लोग सवार थे। दो ट्रालियों को आपस में जोड़ा गया था। जिसकी वजह से ड्राइवर को बैलेंस करने में दिक्कत हो रही थी। तभी अचानक से एक गाड़ी ट्रैक्टर-ट्राली के सामने आती है। गाड़ी को बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर-ट्राली खाई में गिर जाती है। हम लोग दौड़कर मौके पर पहुंचते हैं। कई लोग ट्राली के नीचे दबे होते हैं। वहीं कई घायल हालत में सड़क पर बिखरे होते हैं। सभी लोग अपने परिजनों को बचाने की कोशिश कर रहे होते हैं। हम लोग भी मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में लग जाते हैं। पुलिस को भी मामले की जानकारी दी जाती है। हादसा होने के करीब आधे घंटे बाद पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंचती है। घायलों को अस्पताल भेजा जाता है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676